बोहरा समाज ने किया मातम

यौमे आशूरा : बद्री मस्जिद में अकीदत के साथ इमाम हुसैन को किया याद

निज संवाददाता

भोपाल, 24 जून. हज़रत इमाम हुसैन (स.आ.) की शहादत की याद में यौमे आशूरा के अवसर पर बोहरा समाज द्वारा ओल्ड सैफिया कॉलेज स्थित बद्री मस्जिद में अकीदत के साथ मातम किया गया. इस मौके पर समाज के लोगों ने मस्जिद में एकत्रित होकर इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की कुर्बानी को याद किया.

धार्मिक मान्यता के अनुसार इमाम हुसैन ने 61 हिजरी में करबला की धरती पर तीन दिन तक भूखे-प्यासे रहकर अपने साथियों सहित शहादत दी थी. उनकी इसी कुर्बानी की याद में बोहरा समाज के लोग यौमे आशूरा मनाते हैं.

इस दिन समाज के लोग अपने प्रतिष्ठान बंद रखते हैं और बच्चे स्कूल-कॉलेज से अवकाश लेते हैं. लोग सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे रहते हैं और इमाम हुसैन की याद में फाका (रोजा) रखते हैं. कार्यक्रम के दौरान समुदाय के लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मातम किया और बाद में मस्जिद में इबादत के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ.

श्रद्धालुओं ने की भगवान जिनेन्द्र की वंदना

श्री समय सार कलश महामंडल विधान

भोपाल, 24 जून. जैनमति धर्मशाला में चल रहे श्री समयसार कलश महामंडल विधान में बुधवार को भगवान जिनेन्द्र का अभिषेक कर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई.

कार्यक्रम संयोजक एवं मीडिया प्रभारी अरुण वर्धमान ने बताया मुमुक्षु मंडल एवं डालचंद कमल श्री बाई ट्रस्ट के तत्वावधान में जगत के मंगल कल्याण की भावना के साथ चल रहे अनुष्ठान में विद्वान डॉ. विवेक सागर दिल्ली ने बताया कि जैन दर्शन की चार कसौटी है नंबर एक आगम का सेवन, नंबर दो युक्ति का अवलंबन, नंबर तीन गुरुओं का उपदेश, नंबर 4 स्वभाव का अवलंबन. इन चार कसौटी के माध्यम से संसार की सभी जीव सच्चे सुख को प्राप्त कर सकते हैं. डॉ. हुकुमचंद भरत द्वारा रचित

समयसार कलश महामंडल विधान की आराधना हो रही है. प्रतिष्ठा आचार्य सुनील धवल भोपाल के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ विधान की अर्ध अर्पित किए गए . अनुष्ठान के प्रमुख पात्र ऐश्वर्या -न्यास दिवाकर, सौधर्मेंद्र एवं कुबेर इंद्र श्री मनोज मनीष कुमार परिवार एवं विधान करता श्रीमान सुनील अनीता मनोरिया मुख्य क्लास कला स विराजमान करता श्रीमती मीना जिनेंद्र कुमार अशोका गार्डन ने मंत्रोचार के साथ मुख्य मंडल पर अर्घ्य अर्पित किए .

डॉ पंडित विवेक सागर दिल्ली द्वारा समयसार कलश महामंडल विधान के प्रत्येक कार्य का महत्व बताते हुए कहां विनय और ज्ञान के साथ अनुष्ठान में अर्घ्य अर्पित करने से परिणाम सरल और निर्मल होते हैं . मोक्ष की भावना अगर पवित्र हो तो भावना परिणाम फलीभूत अवश्य होते हैं . इस अवसर पर श्रीमान मनोज ऋरूअजय सोगानी पदम जैन हुकुमचंद जैन खाली चुन्नी विजय सोगानी रवि प्रकाश राज कुमार जैन सहित अनेक धर्मावलंबी मौजूद थे.

दादाजी धाम का 16 वां स्थापना दिवस मनाया

भोपाल, 24 जून. रायसेन रोड पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर का बुधवार को 16 वां स्थापना दिवस मनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: प्रभात वंदना से हुई, जिसके बाद वैदिक आचार्य पंडित राजेन्द्र पलिया के मार्गदर्शन में मंदिर परिसर में विराजमान समस्त देवी-देवताओं का पूजन, अभिषेक और अर्चन किया गया.

इस दौरान भगवान अर्धनारीश्वर, श्री गणेश, मां दुर्गा, श्री सीताराम, श्री लक्ष्मीनारायण, श्री राधाकृष्ण, मां गायत्री, श्री हनुमान जी, श्री साईंबाबा, दादाजी धूनी वाले

और मंदिर शिखर पर स्थापित चारों धाम व भगवान विष्णु के दशावतार का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन और सभी देव विग्रहों का नवीन वस्त्रों, पुष्पमालाओं से श्रृंगार किया गया. पूजन के बाद यज्ञ-हवन, महाआरती की गई. अखंड धूनी स्थल एवं दादाजी गुरुदेव की समाधि पर भी विशेष पूजन की गई. ट्रस्ट अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया गुरुवार को निर्जला एकादशी पर विशेष धार्मिक आयोजन होंगे.

माते पूजा चित्रांकन शिविर का समापन

भोपाल, 24 जून. लोक कला और पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय कोहबर एवं माते पूजा चित्रांकन शिविर का समापन मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हुआ. यह शिविर 22 से 24 जून तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से आयोजित किया गया, जिसमें उत्तरप्रदेश की समृद्ध लोक चित्र परंपराओं को प्रदर्शित और सिखाया गया. कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय और उत्तरप्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया.

एक नजर में

हर शतक पर क्रिकेट टीम की बेटियों को मुफ्त शिक्षा

भोपाल, 24 जून(खेल प्रतिनिधि). मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) 2026 में रॉयल निमाड़ ईगल्स की टीम इस बार मैदान के बाहर भी एक खास पहल के कारण चर्चा में है . आईसेक्ट इंडिया ने टीम के साथ मिलकर बेटियों की पढ़ाई और निमाड़ में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए दो नई योजनाएं शुरू की हैं . इस पहल के तहत एमपीएल 2026 में किसी भी टीम के हर 100 रन बनने पर मध्य प्रदेश की बेटियों को एआईएसईसीटी यूनिवर्सिटी ग्रुप में मुफ्त पढ़ाई का मौका दिया जाएगा . वहीं रॉयल निमाड़ ईगल्स के हर 100 रन पर निमाड़ क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट किट बांटी जाएगी, ताकि गांव और छोटे शहरों में क्रिकेट को बढ़ावा मिल सके . एआईएसईसीटी इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ . सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि संस्था का मकसद केवल एक क्रिकेट टीम को समर्थन देना नहीं, बल्कि खेल के जरिए समाज में अच्छा बदलाव लाना है . उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल को साथ जोड़ने की यह पहल युवाओं को आगे बढ़ने का मौका देगी . इस पहल से एक तरफ बेटियों को उच्च शिक्षा का रास्ता मिलेगा, तो दूसरी ओर निमाड़ के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों को जरूरी संसाधन और नई प्रेरणा भी मिलेगी .

टेनिस : डीपीएस कोलार के जन्मेजय रहे उपविजेता

भोपाल, 24 जून (खेल प्रतिनिधि). डीपीएस कोलार के कक्षा 9 वीं के छात्र जन्मेजय सक्सेना ने हरियाणा के सोनीपत में आयोजित एआईटीए चैंपियन सीरीज टेनिस प्रतियोगिता में डबल्स वर्ग में उपविजेता रहते हुए दूसरा स्थान हासिल किया. यह प्रतियोगिता सनराइज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित की गई थी . जन्मेजय ने बताया कि वे पिछले चार साल से टेनिस खेल रहे हैं और यह उनके करियर की पहली राष्ट्रीय स्तर की बड़ी सफलता है . उन्होंने बताया की पांचवीं कक्षा से टेनिस में रुचि हुई थी . उनके पिता, जो वर्तमान में जीएसटी कमिश्नर हैं, से उन्हें इस खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली . जन्मेजय डीपीएस स्कूल में कोच नवेद खान के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रहे हैं .

नगर में आज

शालाका चित्र प्रदर्शनी
समय-दोपहर 12 बजे से
स्थान-जनजातीय संग्रहालय

माह का प्रादर्श
समय-सुबह 10 बजे से
स्थान-मानव संग्रहालय

राग यमन कार्यशाला
समय-शाम 5 :30 बजे से
स्थान-द आर्ट हाउस अरेरा कॉलोनी

5 .46 मीटर की उड़ान, देव ने जीता सोना

भुवनेश्वर में 65 वीं सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जून. भुवनेश्वर में चल रही 65 वीं राष्ट्रीय अंतर्राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी देव मीणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल वॉल्ट में स्वर्ण पदक जीत लिया. 24 से 28 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में देव ने 5.46 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया.

इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एशियाई खेल 2026 के लिए भी अपनी जगह पक्की कर ली है. मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स

अकादमी के खिलाड़ी देव मीणा ने फाइनल मुकाबले में दमदार खेल दिखाया और देश के बाकी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया. उनके 5.46 मीटर के प्रयास ने राष्ट्र को एक बड़ी उपलब्धि दी , जिससे भारतीय एथलेटिक्स को भी बड़ी सफलता मिली है. देव की इस उपलब्धि से मध्यप्रदेश खेल जगत में खुशी का माहौल है. खिलाड़ियों और कोचों ने इसे प्रदेश के लिए गर्व का पल बताया है. लगातार मेहनत और शानदार प्रदर्शन के दम पर देव अब एशियाई खेल 2026 में देश का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे.

पोल वॉल्ट का अर्थ

पोल वॉल्ट को हिंदी में कभी-कभी बांस कूद भी कहा जाता है, एक प्रमुख ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स स्पर्धा है। इसमें एक एथलीट एक लंबे और लचीले पोल (खंभे या बांस) का उपयोग करके एक ऊंचे क्रॉसबार के ऊपर से छलांग लगाने का प्रयास करता है .

गांव की बेटी, प्रतिभा किरण योजना के लिए आवेदन 4 जुलाई तक

भोपाल, 24 जून. मप्र उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2023-24 की गांव की बेटी और प्रतिभा किरण छात्रवृत्ति योजना के लिए एक बार फिर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके लिए विभाग ने स्कॉलरशिप पोर्टल 2.0 को फिर से खोल दिया है. जिससे सभी पात्र छात्राएं जो किसी कारणवश पहले आवेदन नहीं कर सकी थीं. वे अब 25 जून से 04 जुलाई के बीच अपना आवेदन ऑनलाइन कर सकती हैं. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों और शासकीय व अशासकीय कॉलेजों के प्राचार्यों को सख्त निर्देश दिए गए हैं.

शिक्षा को समाज, रोजगार से जोड़ना जरूरी : डॉ . कान्हेरे

कौशल बोध मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जून. पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) में तीन दिवसीय 'कौशल बोध मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला' का समापन बुधवार को हुआ.

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए कौशल आधारित शिक्षा बहुत जरूरी है. शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे जीवन, समाज और रोजगार से जोड़ना आज की सबसे बड़ी जरूरत है. उन्होंने कहा कि कौशल बोध का उद्देश्य विद्यार्थियों में श्रम के प्रति सम्मान, कार्यकुशलता और आत्मविश्वास जगाना है. वास्तविक दक्षता केवल पढ़कर नहीं बल्कि निरंतर अभ्यास और काम को करके सीखने से आती है. उन्होंने कृषि, बागवानी, हस्तकला और फोटोग्राफी जैसे क्षेत्रों को जीवनोपयोगी कौशल का बेहतरीन उदाहरण बताया. कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को गतिविधि आधारित शिक्षा, जीवन कौशल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पक्षों की जानकारी दी.

इस अवसर पर विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी, सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के प्रादेशिक सचिव डॉ . शिरोमणि दुबे, पीएसएससीआईवीई की प्रो . पिंकी खन्ना और कार्यक्रम समन्वयक प्रो . मुनेशचंद्र त्रिवेदी भी उपस्थित थे . कार्यशाला में कुल 56 शिक्षकों और अधिकारियों ने भाग लिया, जिन्हें अंत में प्रमाण-पत्र बांटे गए . कार्यक्रम का संचालन कल्याण सिंह चंदेल ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ . शिरोमणि दुबे ने किया .

एम्स को मिलीं 6 .2 करोड़ की अत्याधुनिक मशीनें

एचडीएफसी बैंक की पहल : गैर-सरकारी संगठन डॉक्टर्स फॉर यू का सहयोग

भोपाल, 24 जून. एचडीएफसी बैंक की सीएसआर पहल 'परिवर्तन' के तहत गैर-सरकारी संगठन डॉक्टर्स फॉर यू के सहयोग से एम्स भोपाल को लगभग 6.2 करोड़ रुपये मूल्य की अत्याधुनिक चिकित्सा मशीनें प्राप्त हुईं.

प्रदान की गई मशीनों में सीटीवीएस विभाग के लिए एडवांस्ड हार्ट-लंग मशीन, सीटीवीएस आईसीयू हेतु एडवांस्ड कार्डियक मॉनिटर्स, मल्टीपल प्रोब्स सहित हाई-एंड

इकोकार्डियोग्राफी मशीन तथा इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड मशीन शामिल हैं. इन उपकरणों से सीटीवीएस विभाग अधिक मरीजों की सर्जरी कर सकेगा तथा हृदय एवं फेफड़ा प्रत्यारोपण सेवाओं को और मजबूती मिलेगी. यूरोलॉजी विभाग के लिए 3 डी विज़न सपोर्ट सहित 4 के एडवांस्ड एंडोविजन सिस्टम भी प्रदान किया गया है, जिससे जटिल यूरोलॉजिकल सर्जरी की क्षमता बढ़ेगी और अधिक मरीजों को उन्नत शल्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी. औपचारिक हस्तांतरण समारोह में एचडीएफसी बैंक, डॉक्टर्स फॉर यू तथा एम्स भोपाल की ओर से कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर, उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास गुप्ता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे. यह सहयोग मध्यप्रदेश और आसपास के राज्यों के हजारों मरीजों को उन्नत जांच, सर्जरी और उपचार सेवाओं तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

कला | सागर के भगवानदास रायकवार के निधन के बाद बेटे ने लिया पद्मश्री सम्मान

बुंदेली मार्शल आर्ट को देश-दुनिया में दिलाई पहचान

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जून. बुंदेलखंड के बुंदेली मार्शल आर्ट को देश और दुनिया में पहचान दिलाने वाले भगवानदास रायकवार को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है.

भगवानदास रायकवार

यह सम्मान भगवानदास के निधन के बाद दिल्ली में आयोजित समारोह में उनके बेटे राजकुमार रायकवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों लिया.

दिल्ली में भगवानदास के बेटे राजकुमार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु सम्मान प्रदान करते हुए .

भगवानदास रायकवार सागर के छत्रसाल बुंदेला अखाड़ा के संचालक थे और पिछले कई दशकों से लाठी, तलवार और पारंपरिक युद्ध कलाओं को बचाने में जुटे रहे. उन्होंने रूस, फ्रांस, सिंगापुर और अमेरिका समेत कई देशों में बुंदेली मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सुरक्षित नौकरी में रहते हुए भी उन्होंने समय से पहले नौकरी छोड़ दी और अपना पूरा जीवन इस कला को समर्पित कर दिया.

भोपाल निवासी उनके बेटे राजकुमार ने बताया कि बाबूजी (भगवानदास) का सपना किसी पुरस्कार से ज्यादा बुंदेलखंड और उसकी कला को पहचान दिलाना था. वह बच्चों को आत्मरक्षा, एकाग्रता और अनुशासन की सीख देते थे. खास तौर पर लड़कियों को लाठी और तलवार चलाने का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित करते थे.

ओलिंपिक डे पर लोअर लेक में दौड़े शहर के 500 खिलाड़ी

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 24 जून. छोटा तालाब स्थित मप्र कयाकिंग एवं केनोईंग सेंटर में विश्व ओलम्पिक डे पर कार्यक्रम आयोजित किया गया.

यह आयोजन मप्र ओलिंपिक संघ, मप्र कयाकिंग एवं केनोईंग संघ, भोपाल जिला ओलिंपिक संघ ने मिलकर किया. कार्यक्रम में करीब 500 खिलाड़ी, कोच और खेल अधिकारियों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और भोपाल की एएसपी कमला रावत थीं. माइंड कैफे की सीईओ स्नेह निगम और एशियन कैनोइंग कन्फेडरेशन के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा भी मौजूद रहे. इस दौरान खिलाड़ियों को ओलिंपिक खेलों के बारे में जानकारी दी गई. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ओलिंपिक डे रन रही, जिसमें खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने भाग लिया.